SHIKSHA SAMVAD
International Open Access Peer-Reviewed & Refereed
Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
Volume-1, Issue-2, Oct-Dec- 2023
www.shikshasamvad.com

"प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत D एवं E ग्रेड छात्रो की शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी आर्थिक पृष्ठ भूमि के प्रभाव का अध्ययन"

रश्मि तिवारी
शोधार्थी
शिक्षा शास्त्र विभाग
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा
मध्यदेश

डॉ0 पी0 एन0 मिश्रा
शोध निर्देशक
गवर्नमेंट पी0जी0बी0टी0कॉलेज रीवा
मध्यप्रदेश

शोध सारांश

प्रत्येक विद्यालय की प्रत्येक कक्षा में कुछ ऐसे छात्र होते है जो मंद गति से अध्ययन करते है, या अध्ययन में कठिनाईयों का सामना करते है, जिससे शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित होती है। शोधार्थी शिक्षकीय कार्य में संलग्न है और शिक्षण कार्य–करते समय यह महसूस हुआ कि छात्रो को शैक्षिक उपलब्धि पर उनके अभिभावको क आर्थिक स्थिति का प्रभाव पडता है, लेकिन कुछ आर्थिक कम से कमलोर छात्रो का उच्च शैक्षिक स्तर होता है इसलिए यह विचार पूर्णतः सत्य नही है, पर अधिकांशतः निम्न आर्थिक स्तर की वजह से छात्रो के शैक्षिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पडता है इसलिए शोधार्थी के मन में यह विचार आया कि इस विषय पर अध्ययन की आवश्यकता है।

प्रस्तावना (Introduction)

शिक्षा एक विकासात्मक प्रक्रिया है, जो जन्म से मृत्यु पर्यन्त अपितु जीव क गर्भ से प्रारंभ होकर जन्म–जन्मांतरो तक चलती रहती है। मनुपय के सहयक विकास के लिये शिक्षा एक ऐसी जीवन प्रक्रिया है जो समग्र जीवन को अपेक्षित दिशा की ओर मोड़ती हैं

" शिक्षा की मनुपय और समाज का निर्माण
करना चाहिये। इस कार्य को किये बिना
शिक्षा अनुर्वर और अपूर्ण है।"

डॉ. राधाकृष्णनन्

भारत एक विकासशील देश है किन्तु आज भी देश में कुछ लोगो के पास भोजन वस्त्र भ ठीक से नही है, अतः गरीबी की विवशता के कारण माता पिता अपने बालकों की शिक्षा में रूचिनही लेते। ऐसे वातावरण में बालक का विकास समुचित दिशा में नह हो सकता, इसलिये छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर अभिभावको की आर्थिक स्थिति का प्रभाव पडता है। विभिन्न प्रकार के प्रभापीकृत संप्राप्ति परीक्षणों से ऐसे D एवं E ग्रेड प्राप्त करने वाले बालको की पहचान कर उपचारी शिक्षण द्वारा उनकी समस्याओ का निदान किया जा सकता है।

उद्देशय (Objective)

शैक्षिक समस्या के समाधान की दिशा में शोधार्थी द्वारा शोध के उद्देषय निर्धारित किये गये है जो निम्नलिखित है।

1. शोध क्षेत्र के विद्यालयों में D एवं E ग्रेड छात्रो के की संख्या ज्ञात करना।
2. शोध क्षेत्र के विघालयों में D एवं E ग्रेड छात्रो के आर्थिक स्तर का अध्ययन करना।

परिकल्पना (Hypothesis)

1. शोध क्षेत्र के विद्यालयों में D एवं E ग्रेड छात्रों की संख्या अपेक्षाकृत कम है।
2. शोध क्षेत्र के विद्यालय में अध्ययनरत D एवं E ग्रेड के अधिकांश छात्रो का आर्थिक स्तर निम्न है।

शोध प्रविधि (Research Methodology)

शोधकर्या हेतु निम्नलिखित विधियों का उपयोग किया है।

1. सर्वेक्षण विधि
2. अवलोकन विधि
3. अभिलेख अध्ययन विधि

4. सांख्यिकी विधि
5. शोधकार्य रीवा जिले के रीवा विकासखण्ड के प्राथमिक स्तर के पॉच विद्यालयों में परिसीमित किया गया।
6. परिसीमित विद्यालय के प्राथमिक स्तर के शिक्षक, छात्र एवं अभिभावक समग्र को इकाई है।
7. प्रस्तुत शोधकार्य में 100 छात्र छात्राओं की आर्थिक स्थिति का अध्ययन किया गया।
8. प्रस्तुत शोधकार्य में प्रश्नावली एवं साक्षात्कार का प्रयोग किया गया हैं।

ऑकड़ो का विश्लेषण एवं व्याख्या 1–

सारणी क्रमांक – 1.1

शोध के विद्यालयों में D एवं E ग्रेड छात्रों की संख्या का अध्ययन

स क्र	जानकारी संकलन के स्त्रोत	न्यादर्श संख्या	विद्यालय अध्ययनरत D एवं E ग्रेड छात्रो का समाजिक स्तर			
			कम है–		कम नही है–	
			संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	संस्था प्रमुख	5	04	80.00	01	20.00
2.	शिक्षक	10	09	90.00	01	10.00
3.	अभिभावक	40	34	85.00	06	15.00
4	छात्र	100	90	90.00	10	10.00
	योग	155	137	86.00	18	14.00

विश्लेषण एवं व्याख्या

उपरोक्त सारणी क्रमांक 1.1 से स्पष्ट है कि 80% संस्था प्रमुख 90% शिक्षक, 85% अभिभावक व 90% छात्रो का यह अभिमत है कि शोध क्षेत्र के विद्यालयों में D एवं E ग्रेड छात्रो की अपेक्षाकृत संख्या कम है जबकि 20% संस्था प्रमुख, 10% शिक्षक 15% अभिभावक एवं 10% छात्रो का अभिमत है कि शोध क्षेत्र के विद्यालयों में D एवं E ग्रेड छात्रो की संख्या अपेक्षाकृत कम नही है।

इस प्रकार न्यादर्श में चयनित 86% अभिमत दाताओं का अभिमत है कि शोध क्षेत्र के विद्यालयों में D एवं E ग्रेड छात्रो की संख्या अपेक्षाकृत कम है।

सारणी क्रमांक 1.2

शोध क्षेत्र के विद्यालय में अध्ययनरत D एवं E ग्रेड छात्रो के आर्थिक स्तर का अध्ययन

स क्र	**जानकारी संकलन के स्त्रोत**	**न्यादर्श संख्या**	**विद्यालय अध्ययनरत D एवं E ग्रेड छात्रो का समाजिक स्तर**			
			उच्च है		निम्न है	
			संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	संस्था प्रमुख	5	3	60.00	2	40.00
2.	शिक्षक	10	7	70.00	3	30.00
3.	अभिभावक	40	20	50.00	20	50.00
4	छात्र	100	55	55.00	45	45.00
	योग	155	85	58.00	70	42.00

संख्यिकी विश्लेषण एवं व्याख्या

काई वर्ग की गणना

आवृन्ति	विद्यालयों में D एवं E ग्रेड छात्रो की संख्या	
	कम है	क्म नही है
Fo	137	18
Fe	78.00	78.00
Fo-Fe	59.0	–78.00
$(Fo-Fe)^2$	3481.00	3600.00
$\frac{(Fo-Fe)^2}{Fe}$	45.00	46.00

$$X^2 = \sum \frac{(Fo-Fe)^2}{Fe}$$

$$X^2 = 91\text{-}0$$

$$df = (R-1)(C-1)$$

$$df = (2-1)(2\text{-}1))$$

$$df = 1$$

गणना द्वारा X^2 का मान 91.00 है जब कि तालिका मान 1df पर तथा 0.05 व 0.01 स्तर पर 3.84 व 6.63 है। मान अधिक होने के कारण सार्थक है कि D एवं E ग्रेड छात्रो की संख्या कम है।

विश्लेषण एवं व्याख्याः–

उपरोक्त सारणी 1.2 में शोध क्षेत्र के विद्यालय में अध्ययनरत D एवं E ग्रेड छात्रो के आर्थिक स्तर के आँकड़ो से स्पष्ट होता है कि 60 % संस्था प्रमुख 70% शिक्षक 50% अभिभावक एवं 55% छात्र का यह अभिमत है कि विद्यालय में अध्ययनरत D एवं E ग्रेड छात्रो का आर्थिक स्तर उच्च है जबकि 40% संस्था प्रमुख 30% शिक्षक 50% अभिभावक एवं 45% छात्रो का

अभिमत है कि शोध क्षेत्र के विद्यालय में अध्ययनरत D एवं E ग्रेड छात्रो का आर्थिक स्तर निम्न है।

इस प्रकार न्यायदर्श में चयनित 58.00 प्रतिशत अभिमत दाताओं का अभिमत है शोध क्षेत्र के विद्यालय में अध्ययनरत D एवं E ग्रेड छात्रो का आर्थिक स्तर उच्च है।

शोध निष्कर्षः–

शोध अध्ययन हेतु संकलित प्रदत्तो के सांख्यिकीय विश्लेषण एवं परिकल्पनाओं के परीक्षण से प्राप्त हुये तथ्यो के आधार पर निम्नवत निष्कर्ष प्राप्त हुये–

1. शोध क्षेत्र 80% संस्था प्रमुख 90% शिक्षक 85% अभिभावक एवं 90% छात्रों का यह अभिमत है कि विद्यालयों में D एवं E ग्रेड छात्रो की अपेक्षाकृत संख्या कम है।
2. शोध क्षेत्र के 58% अभिमत दाताओं का अभिमत है कि विद्यालय में अध्ययनरत D एवं E ग्रेड छात्रो का अर्थिक स्तर उच्च है।

सुक्षावः–

शोधार्थी द्वारा प्रस्तावित सुक्षाव निम्नलिखित है।

1. शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिये विद्यालय तथा समाज (अभिभावक) दोनो को एक चुनौती के रूप में स्वीकार करके प्रयास करने चाहिये।
2. अभिभावक सम्मेलन मासिक कम में आयोजित कर संस्था प्रधान को सतत् रूप से छात्रों की शैक्षिक प्रगति से अभिभावकों को अवगत कराने रहना चाहिये जिससे अभिभावको का सहयोग प्राप्त होता रहे।

SHIKSHA SAMVAD
PASSION TOWARDS EXCELLENCE

संदर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. सुखिया, एस.पी. – विद्यालय प्रशासन का प्रयोग एवं संगठन
2. मध्यप्रदेश जन शिक्षा नियम 2003, म.प्र. शासन भोपाल
3. कपिल एच. के – अनुसंधान विधियाँ
4. अग्रवाल जे.सी. – शैक्षिक तकनीकी एवं प्रबंध।
5. मंगल अंशु एवं बरौलिया. ए. समंक विश्लेषण एवं शैक्षिक सांख्यिकीय।

SHIKSHA SAMVAD
An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2584-0983 (Online)
Volume-01, Issue-02, Oct-Dec- 2023
www.shikshasamvad.com
Certificate Number-Dec-2023/25

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

रश्मि तिवारी एवं डॉ0 पी0 एन0 मिश्रा

For publication of research paper title

"प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत D एवं E ग्रेड छात्रो की शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी आर्थिक पृष्ठ भूमि के प्रभाव का अध्ययन"

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and

E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-01, Issue-02, Month December, Year- 2023.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.shikshasamvad.com